1. **В  среду  4-й  седмицы  Великого  Поста**
2. **Творение  Господина  Феофана**

1. **Глас  4**

1. **Песнь  1**

*Ирмос:*  Отве́рзу  уста́  моя́,  и  напо́лнятся  Ду́ха,  и  сло́во  отры́гну  Цари́це  Ма́тери,  и  явлю́ся  све́тло  торжеству́я,  и  воспою́  ра́дуяся  Тоя́  чудеса́.

*Припев:*  Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Дре́ву  свято́му,  на  не́мже  Христо́с  простре́  дла́ни,  побежда́яй  сопроти́вная  нача́ла,  поклони́мся,  посто́м  очи́стившеся,  в  хвалу́  и  сла́ву  Вседержи́теля.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Ви́дитсяприлежи́мь,  освяще́ние  подава́яй,  Крест  спаси́тельный,  к  сему́  присту́пим,  очи́стивше  и  те́ло,  и  се́рдце,  и  почерпе́м  благода́ть  спаси́тельную.

Слава:  Огне́м  мя  очи́сти  за́поведей  Твои́х,  Человеколю́бче,  и  Твоя́  спаси́тельная  пода́ждь  ми  стра́сти  ны́не  ви́дети,  и  любо́вию  поклони́тися,  Кресто́м  огражда́ему  и  соблюда́ему.

И  ныне:  Вознесе́ние  ви́дящи  на  Кресте́  Твое́,  Человеколю́бче,  рыда́ше  зову́щи  Тя  ро́ждшая:  ка́ко  осужде́н,  хотя́й  всем  суди́ти,  ви́дится  вися́й  сла́вы  Госпо́дь.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

1. **Песнь  3**

*Ирмос:*  Твоя́  песносло́вцы,  Богоро́дице,  живы́й  и  незави́стный  исто́чниче,  лик  себе́  совоку́пльшия  духо́вно  утверди́  в  Боже́ственней  Твое́й  сла́ве,  венце́в  сла́вы  сподо́би.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Поста́  водо́ю  сердца́  очи́стивше,  Дре́во  Кре́стное  ве́рно  объи́мем,  на  не́мже  Христо́с  ви́ся,  во́ду  нам  оставле́ния,  я́ко  Благоде́тель,  источи́.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Кре́стным  ве́трилом  окрили́вшеся,  кора́бль  спаси́тельный  се  поста́  преполови́вше,  Месси́а  Иису́се  Бо́же,  и́мже  нас  стра́сти  Твоея́  к  приста́нищу  окорми́.

Слава:  Образова́ше  Моисе́й  тя  на  горе́  враго́в  на  убие́ние,  Кре́сте;  мы  же  вообража́ем  тя  се́дцем,  и  зря́ще  тя,  и  покланя́ющеся,  побежда́ем  враги́  безпло́тныя  си́лою  Твое́ю.

И  ныне:  Хоте́нием  Твои́м  челове́к  был  еси́,  Бог  сый  и  всех  Творе́ц;  и  ны́не  на  Кресте́  Тя  ви́сима  зрю,  Спа́се  мой,  Христе́,  Тя  ро́ждшая  глаго́лаше,  и  се́рдцем  уязвля́юся.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

Го́споди  поми́луй.  *(Трижды.)*

1. **Седален,  глас  6**

Днесь  проро́ческое  испо́лнися  сло́во:  се  бо  покланя́емся  на  ме́сто,  иде́же  стоя́сте  но́зе  Твои́,  Го́споди.  И  Дре́во  спасе́ния  прие́мше,  грехо́вных  страсте́й  свобо́ду  получи́хом,  моли́твами  Богоро́дицы,  еди́не  Человеколю́бче.

Слава:  Крест  Твой,  Го́споди,  освяти́ся,  в  нем  бо  быва́ют  исцеле́ния  боля́щим  во  гресе́х;  и́мже  Тебе́  припа́даем,  поми́луй  нас.

И  ныне:  То́кмо  водрузи́ся  Дре́во,  Христе́,  Креста́  Твоего́,  основа́ния  поколеба́шася  сме́рти,  Го́споди;  Его́же  бо  поглоти́  жела́нием  ад,  отпусти́  тре́петом.  Яви́л  еси́  нам  спасе́ние  Твое́,  Святы́й,  и  славосло́вим  Тя,  Сы́не  Бо́жий,  поми́луй  нас.

1. **Песнь  4**

*Ирмос:*  Седя́й  в  сла́ве  на  престо́ле  Божества́,  во  о́блаце  ле́гце  прии́де  Иису́с  Пребоже́ственный,  нетле́нною  дла́нию,  и  спасе́  зову́щия:  сла́ва,  Христе́,  си́ле  Твое́й.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Вообража́я  зна́мение  Креста́,  ру́це  простира́ше  премене́нием,  вну́чата  дре́вле  Иа́ков  сла́вный  благословля́я,  и  зна́менуя  спаси́тельное  благослове́ние,  на  всех  нас  приходя́щее.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Соблюда́еми  печа́тию  Креста́,  и  предлежа́ща  с  ра́достию  ду́ха  того́  целу́юще,  к  спаси́тельным  страсте́м  и́дем,  губи́тельныя  стра́сти  плотски́я  умертви́вше.

Слава:  Спаси́тельное  тя  ору́жие,  непобеди́мую  побе́ду,  ра́дости  зна́мение,  и́мже  смерть  умертви́ся,  объи́мем,  сла́вою  украша́ющеся  на  тебе́  пригво́ждшагося,  Кре́сте  всечестны́й.

И  ныне:  Ви́димый  Мно́ю,  ви́димь  был  еси́  Ангелом  непристу́пный,  Иису́се  Сы́не  Мой,  плоть  от  Мене́  заимова́вый;  и  ны́не  зря́щи  Тя  на  Дре́ве  пригвожде́на,  рыда́ю,  Христо́ва  Ма́ти  глаго́лаше.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

1. **Песнь  5**

*Ирмос:*  Ужасо́шася  вся́ческая  о  Боже́ственней  сла́ве  Твое́й,  Ты  бо  неискусобра́чная  Де́во,  име́ла  еси́  во  утро́бе  над  все́ми  Бо́га,  и  родила́  еси́  безле́тнаго  Сы́на,  всем  воспева́ющим  Тя  мир  подава́ющая.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Мертв  был  еси́  на  Кресте́  пригвожда́емь,  всем  сый  жизнь  и  спасе́ние;  сего́  у́бо  да́руй,  очище́нною  душе́ю,  Спа́се,  нам  объя́ти,  и  Твоя́  стра́сти  спаси́тельныя  ви́дети  ра́дующимся.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Предстоя́т  чи́нове  тебе́  безпло́тных  трепе́щущу,  Дре́во  живода́тельное;  на  тебе́  бо  честну́ю  Кровь  Свою́  Христо́с  излия́,  лучу́  испуща́я  издале́ча,  бесо́м  нося́  па́губу  безконе́чную.

Слава:  Ору́жием  уя́звеннаго  вра́жиим,  исцели́  мя  Кро́вию  Твое́ю,  Сло́ве,  и  копие́м  грехо́в  мои́х  вско́ре  раздери́  Спа́се,  рукописа́ние,  вопию́  Ти,  в  кни́ги  напису́я  мя  спасе́нных,  я́ко  благоутро́бен.

И  ныне:  Грозд  зрел́ый,  ка́ко  на  Дре́ве  обе́сился  еси́?  Со́лнце  сла́вы,  ка́ко  взя́лся  еси́,  сия́ние  со́лнца  омрача́я,  Спа́се,  стра́стию  Твое́ю?  Ро́ждшая  Тя  Агница,  дре́вле  вопия́ше  Ти,  ма́терски  восклица́юще.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

1. **Песнь  6**

*Ирмос:*  Возопи́,  прообразу́я  погребе́ние  тридне́вное,  проро́к  Ио́на,  в  ки́те  моля́ся:  от  тли  изба́ви  мя,  Иису́се  Царю́  сил.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Стрясл  еси́  водруже́нный  а́дово  жили́ще,  ве́рным  же  непоколеби́мое  утвержде́ние  был  еси́,  изве́стный  покро́в,  Госпо́день  Кре́сте  всечестны́й.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Плодоно́сни  доброде́тельми  бы́вше,  объи́мем  Боже́ственнаго  Дре́ва  живоно́сныя  плоды́,  я́же  прозябе́,  простры́йся  на  сем  Иису́с,  плодови́тая  лоза́.

*Слава:*  Пое́м  Твою́,  Иису́се,  мно́гую  бла́гость,  покланя́ющеся  Кресту́  Твоему́,  копию́,  тро́сти;  те́ми  бо  разруши́л  еси́  вражды́,  Ще́дре,  средогра́дие.

*И*  *ныне:*  Вод  Тя  реку́  живото́чных  роди́  Всечи́стая,  я́ко  исто́чника  на́шего  обновле́ния,  на  Кресте́  просте́ршагося,  и  ка́пли  спасе́ния  источи́вшаго.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

Го́споди  поми́луй.  *(Трижды.)*  Слава,  и  ныне.

1. **Кондак,  глас  7**

Не  ктому́  пла́менное  ору́жие  храни́т  врат  Еде́мских,  на  ты́я  бо  на́йде  пресла́вный  соу́з  Дре́во  Кре́стное,  сме́ртное  жа́ло,  и  а́дова  побе́да  прогна́ся.  Предста́л  бо  еси́,  Спа́се  мой,  вопия́  су́щим  во  а́де:  вни́дите  па́ки  в  рай.

1. **Икос**

Три  кресты́  водру́зи  на  Голго́фе  Пила́т,  два  разбо́йников,  и  еди́н  Жизнода́вца.  Его́же  ви́де  ад,  и  рече́  су́щим  до́ле:  о  слу́ги  мои́,  и  си́лы  моя́!  Кто  водрузи́в  гво́здие  в  се́рдце  мое́,  древяны́м  мя  копие́м  внеза́пу  прободе́?  И  растерза́юся,  вну́тренними  мои́ми  болю́,  утро́бою  уязвля́юся,  чу́вства  моя́  смуща́ют  дух  мой,  и  понужда́ются  изрыга́ти  Ада́ма,  и  су́щия  от  Ада́ма,  дре́вом  да́нныя  ми;  Дре́во  бо  сия́  вво́дит  па́ки  в  рай.

1. **Песнь  7**

*Ирмос:*  Не  послужи́ша  тва́ри  богому́дрии  па́че  Созда́вшаго,  но  о́гненное  преще́ние  му́жески  попра́вше,  ра́довахуся,  пою́ще:  препе́тый  отце́в  Госпо́дь  и  Бог,  благослове́н  еси́.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Секи́ра,  ю́же  Елиссе́й  взя  от  Иорда́на,  Христе́,  Крест  явля́ше,  и́мже  из  глубины́  су́етия  язы́ки  извле́кл  еси́,  воспева́ющия:  отце́в  Госпо́дь  и  Бог,  благослове́н  еси́.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Ра́дуются  со  земны́ми  небе́сная,  поклоне́нию  твоему́,  Кре́сте,  тобо́ю  бо  Ангелом  и  челове́ком  соедине́ние  бысть,  всеси́льне,  вопию́щим:  Го́споди  Бо́же,  благослове́н  еси́.

Слава:  Яко  кипари́с  милосе́рдие,  я́ко  кедр  же  ве́ру  благово́нную,  я́ко  пенк  и́стинную  любо́вь  принося́ще,  Госпо́дню  Кресту́  поклони́мся,  на  нем  сла́вяще  Изба́вителя  пригвозди́вшагося.

И  ныне:  Не  поколеба́в  небе́сная,  во  утро́бу  Твою́  Бог  всели́ся,  гра́де  Бо́жий  избра́нный;  на  Кресте́  же  ви́ся,  тварь  поколеба́.  Его́же  моли́,  на  недви́жимом  ка́мени  Его́  мне  соблюсти́ся.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

1. **Песнь  8**

*Ирмос:*  Отроки  благочести́выя  в  пещи́  Рождество́  Богоро́дично  спасло́  есть,  тогда́  у́бо  образу́емо,  ны́не  же  де́йствуемо,  вселе́нную  всю  воздвиза́ет  пе́ти  Тебе́:  Го́спода  по́йте,  дела́,  и  превозноси́те  Его́  во  вся  ве́ки.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Просте́рл  еси́  ру́це  на  Дре́ве,  руки́  неудержи́мыя  разреша́я  грех;  копие́м  же  пробо́дся  еси́,  сим  борца́  уязвля́я,  Го́споди;  же́лчи  же  вкуси́л  еси́,  сла́стную  зло́бу  изыма́я;  о́цтом  напои́лся  еси́,  всех  весе́лие.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Умо́м  чи́стым  и  со́вестию  све́тло  приступи́вше  поклони́мся,  предлежи́т  честно́е  Дре́во  и  свято́е,  и́мже  Христо́с  бесче́стную  подъя́т  смерть,  честь  наложи́в  высоча́йшую,  преступле́нием  лю́те  обесче́стившимся.

Слава:  Дре́вом  греха́  умертви́хся,  и  вкуше́нием  сла́стным  погребо́хся,  оживи́  мя,  Го́споди,  воздви́гни  мя  лежа́щаго,  покло́нника  яви́  страсте́й  Твои́х,  и  прича́стника  воста́ния  Боже́ственнаго,  и  насле́дника  возлюби́вших  тя.

И  ныне:  Вознесе́на  Тя  ви́дящи,  ни  добро́ты  в  стра́сти,  ни  ви́да  иму́ща,  Его́же  воплоще́нна  разуме́х,  красне́йша  па́че  сыно́в  челове́ческих,  Тя,  единоро́дный  Сы́не,  всечи́стая  вопия́ше  Де́ва:  покажи́  Твою́  сла́ву,  всех  Спасе́ние.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

1. **Песнь  9**

*Ирмос:*  Всяк  земноро́дный  да  взыгра́ется  ду́хом  просвеща́емь,  да  торжеству́ет  же  безпло́тных  умо́в  естество́,  почита́ющее  свяще́нное  торжество́  Богома́тере,  и  да  вопие́т:  ра́дуйся,  Всеблаже́нная,  Богоро́дице  чи́стая  Присноде́во.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Копие́м  Твое́  ребро́  отверза́еши,  оставле́ния  распростира́я  исто́чник;  на  Дре́ве  же  пригвозди́лся  еси́,  Дре́вом  уставля́я  осужде́ние,  посреде́  земли́,  Человеколю́бче;  е́же  мы  преполове́нием  поста́  ны́не  облобыза́ем,  воспева́юще  Твою́  благосты́ню.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Го́ры  сла́дость,  хо́лми  ра́дование,  любо́вию  иска́пайте;  древа́  же  польска́я,  лива́нстии  ке́дри,  лику́йте,  поклоне́нием  днесь  живоно́снаго  Креста́;  проро́цы,  му́ченицы,  апо́столи  и  пра́ведных  ду́си,  взыгра́йте.

Слава:  При́зри  на  лю́ди  и  достоя́ние  Твое́,  Го́споди,  стра́хом  пою́щия  Тя,  смерть  во́льную  и́хже  ра́ди  претерпе́л  еси́,  да  не  победи́т  Твоего́  благоутро́бия  безме́рное  мно́жество  зол  на́ших;  но  спаси́  вся  ны,  Преблаги́й,  Кресто́м  Твои́м,  я́ко  Человеколю́бец.

И  ныне:  Манове́нием  Твои́м  коле́блеши  ви́димый  мир,  распина́емый,  пребыва́еши  же  ви́симый,  Богоро́дица  пла́чущи  глаго́лаше,  страстна́яумышле́ния  первозда́ннаго,  Христе́,  потреби́ти  хотя́,  и  исцели́ти  того́  сокруше́ние  бла́гостию.